UNIVERSITY NEWS 03 JUNE 2026

AMRIT VICHAR

टीजीटी परीक्षा के कारण लविवि ने बदले अपने 9 परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा का आयोजन आज और कल गुरुवार को प्रदेश भर में आयोजित किया जा रहा है। लखनऊ में अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए विभिन्न महाविद्यालयों में भी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसके कारण लखनऊ विश्वविद्यालय की नियमित परीक्षाओं के केंद्रों में बदलाव किया गया है। अब विश्वविद्यालय के 9 केंद्रों की परीक्षाएं नए केंद्रों पर कराई जाएंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को सूचित किया गया है कि 3 और 4 जून को होने वाली परीक्षा के केंद्रों में बदलाव किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षाओं हेतु पूर्व निर्धारित परीक्षा केन्द्रों को नवीन परीक्षा केन्द्रों पर स्थानान्तरित किया गया है।

डीएवी पीजी कॉलेज और नवयुग कन्या महाविद्यालय में जिनका परीक्षा केंद्र था उन छात्र-छात्राओं को बीएसएनवी पीजी कॉलेज में परीक्षा देना होगा। इसी प्रकार कालीचरण पीजी कॉलेज, के परीक्षार्थी अब ब्राइट कैरियर कालेज, ठाकुरगंज में परीक्षा देंगे। लखनऊ क्रिश्चियन पीजी कॉलेज और मुमताज पीजी कॉलेज के परीक्षार्थी अब जय नरायण पीजी कॉलेज पर परीक्षा में शामिल होंगे। जबकि नारी शिक्षा निकेतन डिग्री कॉलेज और शशि भूषण डिग्री कालेज के छात्र-छात्राओं को एपी सेन पीजी कॉलेज में परीक्षा देना होगा। शिया पीजी कॉलेज और विद्यान्त पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र लखनऊ विश्वविद्यालय का पुराना परिसर रहेगा।

VOICE OF LUCKNOW

पीएम-उषा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत गठित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे पहले बीओजी ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी को पुनर्गठित करने की अनुमति प्रदान की। इसके अतिरिक्त क्रय समिति एवं तकनीकी समिति को पुनर्गठित करने के लिए कुलपति प्रो. जेपी सैनी को अधिकृत किया गया। प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू) को निर्देशित किया गया कि वह पीएम-उषा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करती रहे। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की घटकवार समीक्षा की गई और संबंधित एजेंसियों को समयबद्ध तरीके से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बीओजी ने यह भी निर्णय लिया कि पीएम-उषा योजना के अंतर्गत अब तक खरीदे गए सभी उपकरणों की लेबलिंग की जाए। साथ ही, नए उपकरणों की खरीद के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों से नए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने इस बात पर बल दिया कि पीएम-उषा योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्य विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक होंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

DAINIK JAGRAN

टीजीटी परीक्षा के लिए लवि ने बदलने नौ केंद्र

जासं • लखनऊ : उप्र लोक सेवा आयोग की ओर से तीन व चार जून को आयोजित टीजीटी की वजह से लवि ने अपने नौ परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्र डीएवी और नवयुग कालेज के परीक्षार्थी बीएसएनवी कालेज, कालीचरण केंद्र के परीक्षार्थी ब्राइट कैरियर, क्रिश्चियन और मुमताज कालेज के परीक्षार्थी जेएनपीजी, नारी शिक्षा निकेतन व शशि भूषण कालेज के परीक्षार्थी एपी सेन कालेज, शिया व विद्यांत के परीक्षार्थी लवि के पुराने परिसर में परीक्षा देंगे।

AMAR UJALA

लविवि : कॉपी जांचने के लिए अब शिक्षकों को नहीं लगानी होगी दौड़

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेज के शिक्षकों को अब कॉपी जांचने के लिए लंबी दौड़ नहीं लगानी होगी। अगले सत्र से शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ऑनलाइन कर सकेंगे। इसके लिए लविवि डिजिटल मूल्यांकन की सुविधा शुरू करने जा रहा है। लविवि में मंगलवार को कुलपति की लखनऊ यूनिवर्सिटी एसोसिएट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (लुआक्टा) के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

लविवि कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था शुरू होने पर कॉपियों को स्कैन किया जाएगा। इससे न तो कॉपियों को एक से दूसरे स्थान ले जाना पड़ेगा और ना ही शिक्षकों को मूल्यांकन केंद्र तक दौड़ लगानी होगी। ऐसा होने पर शिक्षकों का समय बचेगा और विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी। इसकी विशेषता यह भी होगी कि मूल्यांकन करते ही शिक्षकों के खाते में पोर्टल के माध्यम से पारिश्रमिक भी आ जाएगा। बैठक में लुआक्टा के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय, महामंत्री डॉ. अंशु केडिया सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अगले सत्र से शुरू करेगा डिजिटल मूल्यांकन, कुलपति की लुआक्टा के साथ बैठक में लिया गया निर्णय

पार्ट टाइम पीएचडी कर सकेंगे कॉलेज के शिक्षक

बैठक में निर्णय लिया गया कि अगले सत्र से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को अंशकालिक पीएचडी करने की अनुमति दी जाएगी। संबद्ध महाविद्यालयों को शोध केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। इसके मानक निर्धारण के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। इससे महाविद्यालय भी शैक्षणिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

■ **स्थापित होगी खेल परिषद :** कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक खेल परिषद का गठन करेगा। इस परिषद का उद्देश्य खेल गतिविधियों को संस्थागत रूप देना और छात्रों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना होगा।

टीजीटी के चलते लविवि ने बदले परीक्षा केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से तीन और चार जून को होने वाली ट्रेड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) भर्ती परीक्षा के चलते लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने कुछ परीक्षा केंद्रों में बदलाव किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी कार्यालय आदेश में बताया गया है कि इन तिथियों पर पूर्व निर्धारित कुछ केंद्रों पर टीजीटी का आयोजन किया जा रहा है, इसलिए विश्वविद्यालय ने अपनी परीक्षाओं के लिए नए केंद्र निर्धारित किए हैं। लविवि की ओर से जारी सूची के अनुसार, डीएवी पीजी कॉलेज और नवयुग कन्या महाविद्यालय के परीक्षार्थियों को बीएनएसएन पीजी कॉलेज लखनऊ भेजा गया है। कालीचरण पीजी कॉलेज का केंद्र ब्राइट करियर कॉलेज में स्थानांतरित किया गया है। लखनऊ क्रिश्चियन पीजी कॉलेज और मुमताज पीजी कॉलेज में होने वाली परीक्षाएं अब जय नारायण पीजी कॉलेज में कराई जाएंगी। नारी शिक्षा निकेतन डिग्री कॉलेज और शशिभूषण डिग्री कॉलेज के परीक्षार्थियों की परीक्षा एपी सेन पीजी कॉलेज में होगी। इसके अलावा शिया पीजी कॉलेज और विद्यांत पीजी कॉलेज में होने वाली परीक्षाएं अब लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने कैंपस में कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों और परीक्षा केंद्राध्यक्षों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे अपने विद्यार्थियों को नए परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय से उपलब्ध कराएं। (माई सिटी रिपोर्टर)

■ **प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी के पुनर्गठन को मंजूरी :** लखनऊ। लविवि में प्रधानमंत्री उषा योजना (पीएम-उषा) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली बैठक सोमवार को हुई जिसमें विभिन्न समितियों का पुनर्गठन और उपकरणों की लेबलिंग शामिल जैसे निर्णय लिए गए।बीओजी ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी के पुनर्गठन को मंजूरी दी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी को क्रय समिति और तकनीकी समिति के पुनर्गठन के लिए अधिकृत किया गया। प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू) को पीएम-उषा योजना के तहत चल रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। बीओजी ने यह भी निर्णय लिया कि पीएम-उषा योजना के तहत अब तक खरीदे गए सभी उपकरणों की लेबलिंग की जाए। साथ ही, नए उपकरणों की खरीद के लिए संबंधित विभागाध्यक्षों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। बैठक में कुलपति प्रो. जेपी सैनी, प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. शीला मिश्रा, प्रो. आरके वर्मा, प्रो. अनूप कुमार भारतीय और कुलसचिव भावना मिश्रा आदि उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एलयू ने टीजीटी सेमेस्टर परीक्षा के नौ केन्द्र बदले

बदलाव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने तीन और चार जून को प्रस्तावित टीजीटी परीक्षा को देखते हुए अन्तिम समय में सम सेमेस्टर परीक्षा के केन्द्रों में बदलाव किया है। एलयू ने सहयुक्त कॉलेजों को पूर्व में बनाए परीक्षा केन्द्रों के स्थान पर स्थानांतरित किए गए परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से तीन और चार जून को टीजीटी परीक्षा होनी है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय की संचालित परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों को बदला गया है। तीन और चार जून को नौ केन्द्रों पर होने वाली परीक्षा केन्द्रों को बदला गया है। डीएवी पीजी कॉलेज एवं नवयुग कन्या महाविद्यालय में होने वाली परीक्षाओं का केन्द्र बीएसएनवी पीजी कॉलेज को बनाया गया है। कालीचरण पीजी कॉलेज में होने वाली के लिए ब्राइट कैरियर कॉलेज ठाकुरगंज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

इसके साथ ही लखनऊ क्रिश्चियन पीजी कॉलेज, मुमताज पीजी कॉलेज केन्द्र की जगह जय नारायण पीजी कॉलेज को, नारी शिक्षा निकेतन डिग्री कॉलेज में होने वाली परीक्षा के लिए एपीसेन पीजी कॉलेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इसी क्रम में शशि भूषण डिग्री कॉलेज, शिया पीजी कॉलेज, विद्यांत पीजी कॉलेज में तीन और चार जून को होने वाली एलयू की परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें।

पीएम उषा योजना में खरीदे उपकरणों की लेबलिंग होगी

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री उषा योजना (पीएम उषा) के अंतर्गत गठित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली बैठक की गई। बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे पहले बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी को पुनर्गठित करने की अनुमति दी गई। इसके अतिरिक्त क्रय समिति एवं तकनीकी समिति को पुनर्गठित करने के लिए कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी को अधिकृत किया गया। प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट को निर्देशित किया गया कि वह पीएम-उषा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करती रहे। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की घटकवार समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को समयबद्ध तरीके से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

I NEXT

स्किल्स स्ट्रांग कर फ्यूचर रेडी बनाएगा AI

हायर एजुकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का बढ़ा ट्रेंड

LUCKNOW (2 JUNE, inext): आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का ट्रेंड जिस तरह से बढ़ रहा है, वैसे ही इनकी डिमांड भी बढ़ रही है. जिसको देखते हुए यूनिवर्सिटीज एआई से रिलेटेड कोर्सेज को अपने करिकुलम का हिस्सा बना रही हैं, जिससे न सिर्फ स्टूडेंट्स की रिकल अपग्रेड होंगी बल्कि वो फ्यूचर रेडी भी बन पाएंगे. जिस तरह से जॉब मार्केट में एआई ने अपना स्पेस बनाया है. ऐसे में, रिकल्स और टेक्नोलॉजी को जाने बिना यूथ का एआई युग में सक्सेसफुली सर्वाइवल टफ नजर आता है, यही रीजन है कि राजधानी लखनऊ की अलग-अलग यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट्स किसी ना किसी तरह से स्टूडेंट्स को एआई से जोड़ने की तैयारी कर रहे हैं.

i SPECIAL

PIC : AI GENERATED

1000 स्टूडेंट्स ने रजिस्टर किया

225 बीटेक इन एआई में सीट्स हैं, एमएसई एआई में 50 सीट्स हैं, बीसीए एआई में 75 सीट्स हैं

एलयू, एकेटीयू, केएमसी से लेकर आईआईएम में एआई स्पेसिफिक कोर्सेज

एलयू में एआई कोर्सेज

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एआई को अपने करिकुलम का हिस्सा बनाया है और इस क्षेत्र में अभी लगातार काम किया जा रहा है. एआई कोर्सेज की बात करें तो एलयू में बीटेक इन एआई में 225 सीट्स हैं, एमएसई एआई में 50 सीट्स हैं, बीसीए एआई में 75 सीट्स हैं और यूनिवर्सिटी बीए कोर्सेज में एआई को इन्क्लूड करने जा रही है. जिससे आर्ट्स के स्टूडेंट्स भी एआई के बारे में जान सकेंगे, जिससे उनकी स्किल्स बेहतर होंगी और स्टूडेंट्स इंडस्ट्री रेडी बनेंगे.

आईआईएम ने स्टार्ट किए न्यू कोर्सेज

आज के टाइम में एआई की बढ़ती डिमांड को देखते हुए आईआईएम लखनऊ ने भी इस सेशन से टेक एमबीए 2 ईयर, बीएस इन एआई एंड बिजनेस एनालिटिक्स 4 ईयर और बीएस प्लसटेक एमबीए इंटीग्रेटेड 5 ईयर की शुरुआत की है, जिसमे एडमिशन प्रोसेस शुरू हो गया है.

● एकेटीयू एआई की दिशा में कर रहा काम

एआई की दिशा में एकेटीयू लगातार काम कर रहा है और जल्द ही यूपी की एआई यूनिवर्सिटी के रूप में जाना जाएगा. बीटेक की लगभग सभी ब्रांचेस में एआई को इनकॉरपोरेट किया गया है. इसके साथ ही एमटेक कोर्सेज में भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग को शामिल किया गया है.

केएमसी में एआई फॉर एवरीवन

केएमसी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को बढ़ावा देने के लिए एआई फॉर एवरीवन वैल्यू एडेड कोर्स की शुरूआत की गई है. जिसमे लगभग 1000 स्टूडेंट्स ने रजिस्टर किया है और इन स्टूडेंट्स को एआई से रिलेटेड टूल्स के बारे में जानकारी दी जा रही है.

● करियर की हैं कई ऑपर्चुनिटीज

आज के टाइम में इंडस्ट्री में स्किल्ड एक्सपर्ट्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है, ऐसे में एआई कोर्सेज के साथ स्टूडेंट्स डेटा साइंटिस्ट, एआई एक्सपर्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर करियर बना सकते हैं. इसके साथ ही एआई जॉब में भी चीजों को आसान करता है और विथक रिजल्ट देता है. हालांकि, करियर सिलेक्शन के टाइम अपने इंटरेस्ट को प्रायोरिटी दे.

BREAKING NEWS

सिटी की ब्रेकिंग न्यूज से रहें अब रियल टाइम अपडेट

जुड़िए हमारे व्हाट्सएप चैनल से

Scan करें यह QR Code और Follow करें हमारा चैनल.

NBT

सीएसआर से विकास की तैयारी में LU

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय ने कैंपस के विकास और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अब नई तरकीब निकाली है। विश्वविद्यालय में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के जरिए विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए एलयू प्रशासन ने बकायदा एक नया पद सृजित किया है, जिसकी जिम्मेदारी जियोलजी विभाग के प्रो. ध्रुव सेन को बतौर सीएसआर निदेशक दी गई है। नई व्यवस्था के तहत विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियों के सीएसआर फंड का इस्तेमाल विश्वविद्यालय के विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में किया जाएगा। सीएसआर सेल के नवनियुक्त निदेशक प्रो. ध्रुव सेन ने बताया कि फंड जुटाने के लिए जल्द ही पारदर्शी नीति तैयार की जाएगी।

NBT

कॉलेजों के शिक्षक कर सकेंगे पार्ट-टाइम PhD

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) और उससे संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक भी अब एलयू से पार्ट-टाइम पीएचडी कर सकेंगे। विवि नए सत्र से अब कॉलेजों के शिक्षकों को यह बड़ी राहत देने जा रहा है। वहीं कॉपियों के मूल्यांकन के बाद शिक्षकों के मानदेय का भुगतान के लिए अब एक ऑनलाइन पोर्टल बनाने जा रहा है। इससे सालों लटका हुआ भुगतान समय से होगा। एलयू के कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को एलयू रेडेड कॉलेज टीचर्स असोसिएशन (LUACTA) के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ हुई एक बैठक हुई जिसमें यह निर्णय लिये गए हैं।

बैठक में परीक्षा से जुड़े भुगतान व्यवस्था में सुधार को लेकर एक अहम फैसला लिया गया। अक्सर शिक्षकों की शिकायत रहती है कि कॉपी मूल्यांकन के बाद पारिश्रमिक मिलने में देरी होती है। इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए विश्वविद्यालय अब एक नया ऑनलाइन पोर्टल विकसित कर रहा है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद, पोर्टल के माध्यम से कॉपियों का मूल्यांकन कार्य पूरा होते ही शिक्षकों का भुगतान स्वतः सुनिश्चित हो जाएगा।

वहीं, अकादमिक विकास और शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने तय किया है कि आगामी सत्र से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को भी पार्ट-टाइम पीएचडी करने की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही, अब संबद्ध कॉलेजों को भी शोध केंद्र (रिसर्च सेंटर) के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन शोध केंद्रों के मानक निर्धारित करने के लिए जल्द ही एक विशेष समिति का गठन किया जाएगा, जिससे महाविद्यालय भी भविष्य में उच्च स्तरीय शैक्षणिक और शोध कार्यों में सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा सकें।

विवि बना रहा नया पोर्टल, बैठक में लिया निर्णय

भाषा विवि में पीएचडी के आवेदन शुरू

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में नए सत्र के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विवि की ओर से वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन फॉर्म जारी किया गया है। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट kmdu.ac.in पर रजिस्ट्रेशन कर आवेदन कर सकते हैं। 30 जून को ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख निर्धारित की गई है। डीसी प्रो. अजय कुमार तनेजा ने बताया कि विवि की ओर से जो परीक्षा कराई जाएगी उसमें निर्धारित पासिंग अंक प्राप्त करने वालों को ही इंटरव्यू में शामिल किया जाएगा। इसके बाद रिटेन और इंटरव्यू के आधार पर तैयार मेरिट के मुताबिक दाखिले होंगे।

AMRIT VICHAR

पीएम उषा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की हुई बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत गठित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी को पुनर्गठित करने का फैसला हुआ। इसके अतिरिक्त क्रय समिति एवं तकनीकी समिति को पुनर्गठित करने हेतु कुलपति प्रो. जेपी सैनी को अधिकृत किया गया। प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट को निर्देशित किया गया कि वह पीएम-उषा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की नियमित समीक्षा करती रहे। बैठक में प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. शीला मिश्रा, प्रो. आरके वर्मा, प्रो. अनूप कुमार भारतीय, कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

योग और मधुमेह प्रबंधन कार्यशाला में बोलते योग विशेषज्ञ।

करें योग, रहें निरोग

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के योग विभाग एवं फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन में आयोजित योग एवं मधुमेह प्रबंधन कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा कि मधुमेह असंतुलित जीवनशैली का परिणाम है। संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि तनाव हार्मोन ब्लड शुगर नियंत्रण को प्रभावित करते हैं। योगाचार्य राकेश कुमार श्रीवास्तव ने सूर्य नमस्कार, अर्धमत्स्येन्द्रासन, मंडूकासन और पश्चिमोत्तानासन को मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी बताया। नंद लाल जिज्ञासु और प्रो. आलोक कुमार यादव ने कहा कि नाड़ीशोधन, भ्रामरी और उज्जायी प्राणायाम तनाव कम कर ग्लाइसेमिक नियंत्रण में मदद करते हैं।

SWATANTRA BHARAT

लविवि : मधुमेह प्रबंधन पर कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एवं ऑल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत योग सभागार में मधुमेह प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने कहा कि मानसिक तनाव, अनियमित आहार-विहार तथा निष्क्रिय जीवनशैली शरीर की समस्थिति को प्रभावित करते है। मधुमेह और तनाव के गहरे संबंध को समझाते हुए बताया कि लंबे समय तक रहने वाला तनाव, कोर्टिसोल एवं अन्य तनाव हार्मोनों के स्तर को बढ़ाकर ब्लड ग्लूकोस नियंत्रण को प्रभावित करता है। नियमित योगाभ्यास मांसपेशियों में ग्लूकोज़ ग्रहण क्षमता को बढ़ाकर रक्त शर्करा नियंत्रण में सहायक हो सकता है। साथ ही बताया कि इंसुलिन प्रतिरोध और कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोनों को संतुलित करने के लिए योग स्वास्थ्य संतुलन का प्रभावी माध्यम है। वक्ता राकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि योगासन केवल कैलोरी खर्च करने का साधन नहीं हैं, बल्कि वे अंतःस्रावी तंत्र तथा रक्त परिसंचरण के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित योगाभ्यास रक्त परिसंचरण को प्रोत्साहित करते हैं तथा पैंक्रियास सहित विभिन्न अंतःस्रावी ग्रंथियों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ नन्द लाल जिज्ञासु ने मधुमेह प्रबंधन के लिए विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सा प्रणालियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संतुलित एवं प्राकृतिक आहार, उपवास चिकित्सा, जल चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा तथा स्वस्थ दिनचर्या के माध्यम से मधुमेह का सफल प्रबंधन संभव है। अधिष्ठाता प्रोफेसर आलोक कुमार यादव ने बताया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पद्धति है, जो व्यक्ति के व्यवहार, भावनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।